BSES

चर्चित राजनीतिक व्यक्ति के नेतृत्व में 150 लोगों ने की बीएसईएस कॉलोनी में तोड़फोड़

पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति काबू में आई

- पूर्वी दिल्ली स्थित बीएसईएस की कॉलोनी ऊर्जा विहार में जबरन घुसी लोगों की भीड़
- लोगों ने कॉलोनी निवासियों की कारों व मोटरसाइकिलों को छति पहुंचाई
- बिजली के तारों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया
- स्थानीय पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज
- थोड़ी देर के लोकल फॉल्ट के कारण लोग विरोध जता रहे थे, लेकिन हकीकत यह है कि आसपास के अनाधिकृत कॉलोनियों के निवासी अपने सैंक्शंड (तय) लोड से काफी अधिक बिजली *खींच* रहे हैं। सिस्टम पर इस ओवरलोड की वजह से इलाके में लोकल फॉल्ट होती है।
- बीएसईएस की अपील– अपना सैंक्शंड लोड बढ़वाएं

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2008। एक चर्चित राजनीतिक व्यक्ति के नेतृत्व में 150 लोगों की भीड़ ने पूर्वी दिल्ली स्थित बीएसईएस की ऊर्जा विहार कॉलोनी में जबरन घुसकर तोड़फोड़ की। हाल ही में, रात के 11: 30 बजे ये लोग ऊंची चारदीवारी को फांद कर कॉलोनी के अंदर घुस आए और वहां जमकर तोड़फोड़ की। इस कॉलोनी में बीएसईएस और दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड के 85 परिवार रहते हैं। अनाधिकृत रूप से कॉलोनी के अंदर घुसी लोगों की भीड़ ने वहां खड़ी, कॉलोनी निवासियों की कारों और मोटरसाइकिलों को क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं, कॉलोनी की बिजली की तारों को भी उन्होंने क्षति पहुंचाई। मंडावली स्थित एक अनाधिकृत कॉलोनी के लोगों की इस भीड़ का नेतृत्व इलाके का एक नामी राजनीतिक व्यक्ति कर रहा था।

स्थिति की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुलिस के हतक्षेप के बाद ही मामला काबू में आ सका। स्थानीय पलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन अभी तक इस सिलसिले में कोई गिरफ्तारी नही हुई है।

दरअसल, मंडावली की एक अनाधिकृत कॉलोनी में एक लोकल फॉल्ट के कारण थोड़ी देर के लिए बिजली गुल हो गई थी। पहले तो इलाके के एक प्रमुख व्यक्ति के नेतृत्व में असामाजिक तत्वों ने बीएसईएस टीम को फॉल्ट ठीक करने नहीं दिया और उसके बाद, उन्होंने बीएसईए कॉलोनी पर हमला भी बोल दिया।

बाद में, बीएसईएस टीम ने जब फॉल्ट के कारणों को जानने का प्रयास किया, तो पता चला कि इलाके के ज्यादातर निवासी बिजली के सैंक्शंड (तय) लोड से काफी ज्यादा बिजली खींच रहे हैं। इस वहज से सिस्टम पर लोड काफी बढ़ जाता है और इसी ओवरलोड के कारण इलाके में बिजली की निर्बाध आपूर्ति में बाधा आती है।

उदाहरण बीएसईएस के एक अधिकारी ने बताया– मान लीजिए कि आपने 2 किलोवॉट सैंक्शंड लोड का बिजली कनेक्शन लिया है। बीतते समय के साथ आप अनपे घर में एसी, गीजर, ब्लोअर जैसे बिजली की भारी खपत करने वाले उपकरण तो ले आते हैं, लेकिन बिजली का अपना सैंक्शंड लोड बढ़वाकर उसे 5 या 10 किलोवॉट (जरूरत के मुताबिक) नहीं कराते। इससे हमारे सिस्टम व नेटवर्क पर दबाव काफी बढ़ जाता है, और आपकी बिजली गुल हो जाती है। यही नहीं, कम सैंक्शंड लोड के बावजूद ज्यादा बिजली की खपत करना उपभोक्ता के लिए भी खतरनाक है क्योंकि इससे शॉर्ट सर्किट के खतरे बढ़ जाते हैं।

बीएसईएस प्रवक्ता का कहना है– विश्वसनीय, सुरक्षित और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की जितनी जिम्मेदारी बिजली कंपनी की है, इसकी उतनी ही जिम्मेदारी उपभोक्ताओं पर भी है। बीएसईएस एक बार फिर अपने उपभोक्ताओं से अपील करती है कि वे अपनी जरूरतों को देखते हुए अपना बिजली का सैंक्शंड लोड बढ़वाएं ताकि उन्हें निर्बाध बिजली आपूर्ति मुहैया कराई जा सके।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304